Roll No. .....

Y – 3291 (A)

M.A. (Second Semester) (SPECIAL) EXAMINATION, August 2021

(SECOND CHANCE)

SANSKRIT

Paper – 201

BHARTIYA DARSHAN

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) *Minimum Pass Marks : 29*

Maximum Marks : 100 (For Private Students) *Minimum Pass Marks : 34*

नोट- **सभी** प्रश्न हल कीजिये।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये— 17/20
   (i) करण का लक्षण लिखिये।
   (ii) इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष किसे कहते हैं ?
   (iii) व्याप्ति क्या है ?
   (iv) तर्कभाषानुसार प्रमाणों का नामोल्लेख कीजिये।
2. अधोलिखित की व्याख्या कीजिये— 17/20
   यत्समवेतं कार्यसमुत्पद्यते तत्समवायिकारणम। अतस्तन्तुरेव समवायिकारणं पटस्य न तुतुर्यादि।पटश्च स्वगतरूपादेः समवायिकारणम्। एवं मृत्पिण्डोपि घटस्य समवायिकारणं, घटश्च स्वगतरूपादेः समवायिकारणम्।
3. न्यायदर्शन के अनुसार कारण-त्रय की समीक्षा कीजिये। 17/20
4. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिये— 17/20
   (अ) काम्यानि—स्वर्गादीष्टसाधनानि ज्योतिष्टोमादीनि।
   निषिद्धानि—नरकाद्यनिष्टसाधनानि ब्राह्मणहननादीनि।
   नित्यानि—अकरणे प्रत्यवायसाधनानि सन्ध्यावन्दनादीनि।
   नैमित्तिकानि—पुत्रजन्माद्यनुबन्धीनि जातेष्ट्यादीनि।
   प्रायश्चित्तानि-पापक्षयसाधनानि चान्द्रायणादीनि।
   उपासनानि—सगुणब्रह्मविषयमानसव्यापाररूपाणि शाण्डिल्यविद्यादीनि।
   (ब) तमःप्रधानविक्षेपशक्तिमदज्ञानोपहितचैतन्यादाकाश
   आकाशाद्वार्युवायोरग्निरग्नेरापोऽद्भ्यः पृथिवी
   चोत्पद्यते 'तस्माद्वा एतस्मादात्मन आकाशः
   सम्भूत' इत्यादिश्रुतेः।
5. माया के स्वरूप का वर्णन कीजिये। 17/20